

Roll No.

41391

B. A. (Pass Course) 4th Semester

Examination – May, 2019

SANSKRIT (Elective)

Paper : P-IV

Time : Three hours]

[Maximum Marks : 80

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग सरलार्थ कीजिए : $2 \times 5 = 10$

(i) गुरुमहत्वा हि महानुभावान् श्रेयो भोक्तुम् भैक्ष्यमपीह लोके।

हत्वार्थकामास्तु गुरुनिहैव भुञ्जीय भोगान् रुधिरप्रदिग्धान् ॥

(ii) न जायते स्त्रियते वा कदाचित् नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।

अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो, न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥

P. T. O.

41391

(iii) योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्ग व्यक्त्वा धनंजय।

सिद्धयसिद्धयोः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ॥

(iv) प्रसादे सर्वदुःखानां हानिरस्योपजायते।

प्रसन्नचेतसो ह्याशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते ॥

2. भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्मा अथवा निष्काम कर्म योग के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 10

3. किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग सरलार्थ कीजिए : $2 \times 5 = 10$

(i) तस्याः खुरन्यास पवित्रपांसुमपांसुलानां धुरि कीर्तनीया।

मार्गं मनुष्येश्वर धर्मपत्नी श्रुतेरिवार्धं स्मृतिन्वंगच्छत्।

(ii) शशाम वृष्ट्यापि विना दावाग्निरासीद्विशेषा फलपुष्पवृद्धिः।

ऊनं न सत्त्वेष्वधिको बबाधे, तस्मिन् वनंगोप्तरि गाहमाने ॥

(iii) ततो मृगेन्द्रस्य मृगेन्द्रगामी, बधाय वक्ष्यस्य शरंशरण्यः।

ज्ञातामिषङ्गो नृपतिनिषङ्गादुद्धर्तुमैच्छत्प्रसाभोद्धवारिः ॥

(iv) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वम् नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।

अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन् विचारमूढः प्रतिभासि मे

त्वम् ॥ https://www.haryanapapers.com

4. रघुवंश के द्वितीय सर्ग का सार लिखिए अथवा राजा दिलीप तथा सिंह के मध्य संवाद लिखिए। 10

5. किन्हीं पाँच शब्दों के प्रकृति-प्रत्यय दर्शाइए : $2 \times 5 = 10$

पीत्वा नष्टुम् अर्च्यम् नेयम् रक्षितः पठितवान् चोरितः तुष्टः गच्छन् चैष्टमानः।

(2)

6. किन्हीं पाँच समस्त पदों में विग्रह तथा समास का लिखिए : $2 \times 5 =$

हस्तपादम् अहर्निशम् वृक्षौ, हंसौ महाशयः, चन्द्रमुखी पञ्चरा
नीलकमलम् पंचवटी पीताम्बरः।

7. किन्हीं पाँच प्रत्याहारों में समाहित वर्ण बताइए : $2 \times 5 =$

अच् इच् यण् अम् इक् यञ् शर् जश्

8. प्राचार्यमहोदयाय अनुपरिस्थितिवशात् क्षमायाचनापत्रम्।

अथवा

महाविद्यालयस्य वार्षिकोत्सववर्णनं।

https://www.haryanapapers.com

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से